पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल ने रायबरेली, सलोन स्थित एनीमल ब्रीडिंग सेन्टर का किया निरीक्षण

श्वेत क्रांति के माध्यम से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन0डी0डी0बी0) ने देश के किसानों को एकता के सूत्र में पिरोया

देश की महिलाएं सक्षम हैं और किसी भी जिम्मेदारी को निभा सकती हैं

एन0डी0डी0बी0 ने देश के किसानों को आत्मनिर्भर निभाने के लिये अनेक संस्थानों की नींव डाली है

एन0डी0डी0बी0 के सहयोग से डेयरी नेटवर्क के माध्यम से किसानों के बीच वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा

राज्यपाल ने एनीमल ब्रीडिंग रिसर्च ऑर्गनाइजेशन द्वारा तैयार ''एब्रो हनी'' का किया लोकार्पण

'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित

– राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ 26 अगस्त, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज रायबरेली के तहसील सलोन स्थित एनीमल ब्रीडिंग सेन्टर के परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि एनीमल ब्रीडिंग सेन्टर की स्थापना इस दृढ़ विश्वास में निहित है कि हमारे देश की समाजिक और आर्थिक प्रगति मुख्य रूप से ग्रामीण भारत के विकास पर निर्भर करती है।

राज्यपाल जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत बनाने के अभियान में अपना योगदान देने हेतु महिला किसानों को प्रेरित करते हुए कहा कि पशुपालन और दुग्धोत्पादन के विकास के क्षेत्र में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मवेसियों से जुड़े हुए कार्यों जैसे नस्ल सुधार कार्यक्रम, संतुलित आहार कार्यक्रम तथा किसानों को विभिन्न प्रकार की तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना एक सराहनीय कार्य है। हिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र के अवलोकन के दौरान उन्होंने यहां

पर पालन किये जाने वाले मानकों की प्रशंसा की। संस्थान के प्रयासों ने दुग्ध उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाते हुए डेयरी उद्योग से जुड़े लाखों दूध उत्पादकों के लिए डेयरी उद्योग को एक स्थायी एवं लाभप्रद, आर्थिक गतिविधि बनाकर भारत की ग्रामीण व्यवस्था में बदलाव किया है। श्वेत क्रांति के माध्यम से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एन0डी0डी0बी0) ने देश के किसानों को जिस प्रकार एकता के सूत्र में पिरोया वह अत्यंत सराहनीय है। इस संस्थान द्वारा स्थापित 16 दुग्ध उत्पादक कम्पनियों में 63 प्रतिशत महिलाओं की हिस्सेदारी है, जो कि किसी भी औद्योगिक हिस्सेदारी में अधिकतम है।

राज्यपाल जी ने अपने संबोधन में गुजरात राज्य में महिला सशक्तीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण को रेखांकित करते हुए कहा कि गुजरात में डेयरी के माध्यम से महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त हुई हैं और महिलाओं ने पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय को अपनाकर एक अच्छी आमदनी कर रही हैं। यह महिला सशक्तीकरण का एक जीता जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सभी महिला मित्र भी उचित वैज्ञानिक तकनीकी व मार्गदर्शन अपनाकर, अपना खुद का कारोबार चला सकती हैं और प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर सकती हैं। देश की महिलाएं सक्षम हैं और किसी भी जिम्मेदारी को निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि एन0डी0डी0बी0 ने देश के किसानों को आत्मनिर्भर निभाने के लिये अनेक संस्थानों की नींव डाली है।

राज्यपाल जी ने कहा कि डेयरी व्यवसाय में लाभ मुख्यतः तीन कारकों जैसे पशु की नस्ल, पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण पर निर्भर करता है। संतुलित आहार चार्ट का पालन कर सभी किसान कम से कम संसाधन में ही अधिक दुग्ध उत्पादन कर अपनी आय में अधिक उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश भर में शहद उद्योग को बढ़ावा देने के लिए आह्वान किया है और देश में 'वाइट रिवोलुशन' की तरह 'स्वीट रिवोलुशन' लाने का विजन दिया है। इस संस्थान के सहयोग से देश के डेयरी नेटवर्क के माध्यम से किसानों के बीच वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। आत्मनिर्भर भारत के इस महत्वपूर्ण अभियान, नेशनल बी–कीपिंग और हनी मिशन के अन्तर्गत एन0डी0डी0बी को एक इम्पलीमेंटिंग एजेंसी बनाया गया है।

राज्यपाल जी ने कहा कि सभी महिलाएं गर्भावस्था के दौरान होने वाली असामयिक मृत्यु से बचने हेतु स्वास्थ्य केन्द्रों पर ही डिलीवरी करायें तथा सरकार द्वारा दी जाने वाली 5,000रू0 की धनराशि को अपने और बच्चे की देखभाल पर व्यय करें।

राज्यपाल जी ने कहा कि पशुपालन के माध्यम से आय को बढ़ाने के लिए 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलायी जा रही हैं। इनमें से एक परियोजना इस संस्था की निगरानी में उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में मुर्रा भैंस की नस्ल सुधार के लिए चल रही है। इसी प्रकार वाराणसी जिले में 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' के अन्तर्गत अनेक योजनाएं चलायी जा रही हैं, जिनका लक्ष्य आधुनिक तकनीकों द्वारा दुधारू पशुओं की नस्ल सुधार, पशु पोषण और पशु रोगों से बचाव है। राज्यपाल जी ने एनीमल ब्रीडिंग रिसर्च ऑर्गनाइजेशन द्वारा तैयार ''एब्रो हनी'' का लोकार्पण किया।

इससे पूर्व राज्यपाल जी द्वारा पशु प्रजनन अनुसंधान केंद्र सलोन की गतिविधियों का अवलोकन किया गया। महाप्रबंधक डॉ0 नीरव पटेल ने राज्यपाल के समक्ष एक प्रस्तुतीकरण द्वारा प्रजनन केन्द्र की गतिविधियों एवं हिमीकृत वीर्य के प्रबंधन आदि के सम्बन्ध में विस्तार से बताया। राज्यपाल जी ने प्रजनन केन्द्र के क्वालिटी कंट्रोल कक्ष का भी निरीक्षण किया उसकी कार्य प्रणाली के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद राज्यपाल जी ने परिसर में स्थित मधुमक्खी पालन प्रक्रिया का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम में सदर विधायक श्रीमती अदिति सिंह, सलोन विधायक श्री अशोक कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी, जिलाधिकारी श्रीमती माला श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी, मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रभाष कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) श्री अमित कुमार, वरिष्ठ महाप्रबंधक–राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड श्री एस रघुपति, कार्यक्रम के समापन उद्‌बोधन में पशु प्रजनन अनुसंधान संस्थान के महाप्रबंधक डॉक्टर नीरव पटेल ने आये हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त किया और आशा की कि इस आयोजन से सभी महिला किसान लाभान्वित होंगी और क्षेत्र के दुग्ध उत्पादन को गति मिलेगी।

चन्द्र विजय वर्मा–सूचना अधिकारी/राजभवन (75/75)
सम्पर्क सूत्र 9044381834